(घ) यदि हां, तो क्या सरकार ने निजी क्षेत्र को आकर्षित करने के लिए कतिपय सुविधाएं/प्रोत्साहन देने का निर्णय किया है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

जल-भूतल परिवहन मंत्री (श्री टी०जी० वेंकटरामन): (क) और (ख) यद्यपि, अभी हाल के वर्षों में सड़क परिवहन की मांग के बारे में कोई अध्ययन नहीं किया गया है फिर भी ऐसी उम्मीद है कि आगामी वर्षों में 7% की नियत जी०डी०पी० वृद्धि के साथ सड़क परिवहन की मांग 12% से 14% होगी।

(ग) और (घ) सड़क परिवहन अवसंरचना और सड़क परिवहन की मांग में भारी अंतर को ध्यान में रखते हुए तथा वित्तीय समस्याओं के कारण सरकार ने राष्ट्रीय राजमार्गों में निजी क्षेत्र की भागीदारी के लिए आवश्यक विधायी ढांचा तैयार किया है। इसके अतिरिक्त, राज्य क्षेत्र में निजी निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए कर छूट, कर रियायत, आयात शुल्क में कमी आदि जैसी कतिपय सुविधाएं/प्रोत्साहन पहले ही प्रदान कर दी गई हैं।

जल मार्गों के रूप में बारहमासी नदियों का सर्वेक्षण

884. **श्री राम जेठमलानी:** क्या जल-भूतल परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार द्वारा बारहमासी नदियों की जल मार्गों के रूप में उपयोगिता सुनिश्चित करने के लिए कोई सर्वेक्षण कराया गया है;

(ख) यदि हां, तो इन नदियों के नाम क्या-क्या हैं और जल मार्ग कितना लम्बा होने की संभावना है; और

(ग) क्या सरकार द्वारा नौवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान देश में कुछ नदियों को विकसित जल मार्गों के रूप में उपयोग में लाने के लिए कोई परियोजनाएं बनाई गई हैं, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

जल-भूतल परिवहन मंत्री (श्री टी० जी० वेंकटरामन): (क) और (ख) जी हां। ऐसी नदियों के नाम और उनकी लम्बाई नीचे दी गई है:—

i)	गंगा-भागीरथी-हुगली नदी प्रणाली	: 1620 कि० मी०
ii)	ब्रह्मपुत्र	: 891 कि० मी०
iii)	पश्चिम तटीय नहर	: 205 कि० मी०
iv)	सुन्दरबन	: 197 कि० मी०
v)	कोयना	: 24 कि० मी०
vi)	कृष्णा	: 192 कि० मी०
vii)	महानदी	: 418 कि० मी०
viii)	नर्मदा	: 640 कि० मी०
ix)	गोवा में मंडोदी, जुआरी नदी और कंबरजुआ नहर	: 60 कि० मी०

(ग) नौवीं पंचवर्षीय योजना में 3 राष्ट्रीय जलमार्गों के विकास और अन्य जलमार्गों की घोषणा/विकास की योजना है। इस योजना के लिए आई डब्ल्यू टी क्षेत्र हेतु अनंतिम परिव्यय 470.00 करोड़ रु० है। नौचालन हेतु तीन राष्ट्रीय जलमार्गों के उपयोग के लिए प्रस्तावित परियोजनाओं में नौचालन मार्ग (फेयरवे) का विकास, टर्मिनलों, नौचालन उपकरणों का प्रावधान, क्राफ्टों की खरीद इत्यादि जैसे कार्य शामिल हैं।

Joint Venture Projects in Shipping

885. **SHRIMATI JAYANTI PATNAIK:** Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether Government have any proposal to set up joint venture projects in the field of shipping;

(b) whether such projects are proposed to be set up in collaboration with Oman; and

(c) if so, the details of the plan and possibility explored to set up Indo-Oman joint venture in the field of shipping?

THE MINISTER OF SURFACE TRANSPORT (SHRI T.G. VENKATRAMAN): (a) to (c) Yes, Sir. Avenues are being explored by Shipping Corporation of Inda (SCI), a Public Sector Undertaking, for setting up joint ventures in collaboration with foreign companies with a view to expand its operations. A techno-economic study was carried out by SCI to determine the feasibility of setting up a joint venture in collaboration with Oman. The study report has been sent to the Government of Oman for its views. The details of the proposal can be finalised only after the views of the Government of Oman have